Serial No.	Date of order of proceeding	Order with the signature of the Court	Office action taken with date
1	2	3	4
	26-02-2021	न्यायालयः अवर न्यायाधीश, अरेराज पूर्वी चम्पारण। विविध वाद संख्या 05/16 आवेदक द्वारा यह विविध वाद अंतर्गत धारा 151cpc के अंतर्गत दाखिल कर कथित किया गया कि विविध वाद संख्या 13/13 जो मोतिहारी sub judge न्यायालय में लम्बित थे जो स्थानांतरित होकर अरेराज न्यायालय में चला गया जिसका क्रमांक 18/2015 हो गया जिसके कारण उसमें हाजिरी पैरवी नहीं हुआ परिणामस्वरूप 04/02/2016 को विविध वाद खारिज कर दिया गया जिससे आवेदकगण को काफी नुकसान हुआ एवं त्रुटिवश पैरवी करना छूट गया और वाद खारिज हो गया इसलिए मांग किया गया कि विविध वाद 18/15 में पारित आदेश दिनांक 04/02/16 को निरस्त कर वाद को पुनर्जीवित किया जाए तथा विपक्षीगण को हाजिर होने के लिए शमन, रजिस्टर्ड डाक द्वारा तथा पेपर में प्रकाशित किया गया जिस आधार पर विपक्षी संख्या 3 ता0 5 हाजिर हुए एवं अपना जवाब दाखिल किये तथा अन्य विपक्षीगण उपस्थित नहीं हुए जिनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्रवाई की गयी तथा आवेदक की ओर से अपने समर्थन में कुल दो साक्षी मधुसुदन मिश्र एवं उमेश मिश्र का परीक्षण हुआ है तथा विपक्षी की ओर से साक्षी भगवान तिवारी, मृत्युंजय कुमार, श्याम नारायण मिश्र को प्रस्तुत किया गया है। आवेदक की ओर से प्रस्तुत साक्षी ने अपने शपथ पत्र में आवेदन का पूर्ण समर्थन किया तथा कथित किया है कि स्वत्व वाद संख्या 393/07 खारिज हो गया जिसके चलते विविध वाद संख्या 13/13 दाखिल किया गया जिसका नम्बर बदल कर 18/15 हो गया जिसकी जानकारी	

Serial No.	Date of order of proceeding	Order with the signature of the Court	Office action taken with date
1	2	3	4
	Contd--------- Misc 05/16 26-02-2021	आवेदकगण को नहीं हो सका जिस कारण मिसलेनियस वाद भी खारिज हो गया तथा प्रतिपरीक्षण के क्रम में भी कथित किया है कि मिसलेनियस 13/13 का पैरवी कर दिया था जिसका विविध वाद नम्बर 18/15 हो गया जिससे खारिज हो गया तथा प्रस्तुत साक्षी आवेदक साक्षी संख्या 2 उमेश मिश्र ने अपने परीक्षण के क्रम में भी आवेदन का पूर्ण समर्थन किया है तथा प्रतिपरीक्षण के क्रम में कथित किया है कि विविध वाद खारिज होने की जानकारी 16 फरवरी को हुआ है तथा विविध वाद संख्या 13/13 मोतिहारी अरेराज, खारिज हुआ मुझे नहीं पता तथा विपक्षी की ओर से प्रस्तुत साक्षी भगवान तिवारी ने अपने परीक्षण में मिसलेनियस वाद की खारिज करने की मांग किए हैं तथा कथित किए हैं कि विविध वाद संख्या 18/15 में पैरवी करने के लिए न्यायालय में आए थे एवं प्रतिपरीक्षण के क्रम में विविध वाद संख्या 18/15 में कौन मुदई व कौन मुदालह है न जानने की बात एवं विविध वाद में कितने मुदई व मुदालह हैं जानकारी न होने की बात का समर्थन किया है एवं कथित किये हैं कि विविध वाद संख्या 18/15 मुकदमा अरेराज कब आया इसकी जानकारी नहीं है विपक्षी संख्या–2 मृत्युंजय कुमार ने भी अपने आवेदकगण द्वारा विविध वाद संख्या 18/15 में कोई पैरवी न करने की बात का समर्थन किया है तथा प्रतिपरीक्षण के क्रम में मिसलेनियस 13/13 04.02.2016 को खारिज होने की बात समर्थन किए हैं। विपक्षी संख्या 3 श्याम नारायण मिश्र ने अपने मुख्य परीक्षण में अरेराज में विविध वाद संख्या 18/15 में जानबूझकर आवेदकगण द्वारा पैरवी न करने की बात का समर्थन किया है तथा प्रतिपरीक्षण के क्रम में विविध वाद संख्या 13/13 मोतिहारी	

Serial No.	Date of order of proceeding	Order with the signature of the Court	Office action taken with date
1	2	3	4
	Contd--------- Misc 05/16 26-02-2021	sub judge के यहां चलने एवं स्थानांतरण होने का दिन याद नहीं होने की बात कहा है तथा अपना पैरवी ताईद द्वारा कराने का समर्थन किया है। बहस के अनुक्रम में कथित किया गया कि आवेदकगण पूर्व में विविध वाद संख्या 13/13 में मोतिहारी पैरवी करते रहे लेकिन वाद स्थानांतरित होने के कारण अरेराज न्यायालय में उसका नम्बर 18/15 हो गया जिसकी जानकारी आवेदकगण को नहीं प्राप्त हुई तथा खारिज होने के बाद पता चला जिसका आदेश फलक दाखिल किया गया जिसे प्रदर्श–1 अंकित किया गया कोई जानबूझकर गलती नहीं की गयी केवल नम्बर परिवर्तित होने के कारण पैरवी छुट गया भविष्य में ऐसी गलती नहीं होगी इसलिए मिसलेनियस विविध वाद संख्या 05/16 को स्वीकृत करते हुए विविध वाद संख्या 18/15 पुनर्जीवित करने की अनुमति दी जाए ताकि आवेदक को नुकसान न हो जबकि विपक्षी के विद्वान अधिवक्ता द्वारा कथित किया गया कि आवेदकगण जानबूझकर गलती किए हैं इसलिए उनका विविध वाद स्वीकृत न किया जाये जिससे वाद को बढ़ावा मिलेगा एवं विपक्षी को काफी नुकसान होगा इसलिए मिसलेनियस 05/16 खर्चा के साथ खारिज करने की मांग की गयी। दोनों पक्षों को सुना, अभिलेख पर उपलब्ध साक्ष्य व सामग्री का अवलोकन किया जिससे स्पष्ट होता है कि आवेदक का पूर्व विविध वाद संख्या 13/13 मोतिहारी में लम्बित था जिसमें नियमानुसार पैरवी करता चला आया लेकिन स्थानांतरित होकर अरेराज न्यायालय में प्राप्त हुआ जिसका नम्बर विविध वाद संख्या 18/15 परिवर्तित हो गया जिससे भुलावे में पर जाने के कारण पैरवी नहीं हो सका एवं	

Serial No.	Date of order of proceeding	Order with the signature of the Court	Office action taken with date
1	2	3	4
	Contd--------- Misc 05/16 26-02-2021	विविध वाद संख्या 18/15 दिनांक 04.02.16 को खारिज हो गया जो प्रदर्श–1 से भी स्पष्ट होता है तथा प्रस्तुत साक्षियों ने भी विविध वाद संख्या परिवर्तित होने का समर्थन किया है एवं वादी विविध वाद संख्या 18/15 में उचित पैरवी करना चाहता है इसलिए आवेदक का यह आवेदन 1000/– रुपया खर्च जो नजारत में जमा करने एवं 1000/– रुपया खर्चा विपक्षी को प्रदान करने के पश्चात् विविध वाद 05/16 स्वीकृत करते हुए विविध वाद संख्या 18/15 को पुनर्जीवित करने का आदेश दिया जाता है एवं वाद निष्पादित किया जाता है। लेखापित अवर न्यायाधीश	